

साँवरे क्या कहना | Sonu Lakkha

तेरा बागा रंग बिरंगा तेरे मुकुट के ऊपर चंदा
लगता है प्यारे प्यारे साँवरे
साँवरे क्या कहना

तेरे रूप की पागल बाबा दुनिया सारी रे
तेरी प्यारी प्यारी लीले की असवारी रे
तेरे नैनो में सुरमा सोहे प्यारा प्यारा जी
तेरे मोटे नैन नशीले नज़र कटारी रे
तेरे दर पे मेला लगता जब जब बाबा तू सजता
सजता है न्यारा न्यारा साँवरे
साँवरे क्या कहना

तेरे जन्नत वर्गा सजता है दरबार जी
तेरे रंग बिरंगे फूलों वाले हार जी
हो मायापति जी माया के भंडार तुम
जो दर्शन करता पाटा खुशी अपार जी
इतर की खुशबू महके खुशबू से मनडा चहके
मन हो जाता दीवाना साँवरे
साँवरे क्या कहना

तेरी मेहर को तरसे सोनू लक्खा तेरा रे
मेरे दिल में बना हुआ घर तेरा रे
अब बोल मुरारी खाली कैसे जाऊँ मैं
हे दीन दयालु सच्चा डेरा तेरा रे
मन्ने आलू सिंह जी मानावे और श्याम बहादुर गावें
लक्खा भी नज़र उतारे साँवरे
साँवरे क्या कहना

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be/>